भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3256
दिनांक 07.08.2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

पेट्रोलियम, रसायन और पेट्रोरसायन निवेश के क्षेत्र

3256. श्री जी. लक्ष्मीनारायण:

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में पेट्रोलियम, रसायन और पेट्रोरसायन निवेश क्षेत्रों (पीसीपीआईआर) और उनमें पिछले पांच वर्षों के दौरान स्वीकृत निवेश, वास्तव में किया गया निवेश और सृजित हुए रोज़गारों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) पीसीपीआईआर में पूरी हो चुकी, चल रही और लंबित अवसंरचनात्मक परियोजनाओं और स्वीकृत की गई लागत, जारी की गई निधि और किए गए व्यय का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) प्रत्येक पीसीपीआईआर में आवंटित भूमि, उपयोग की गई भूमि और खाली पड़ी भूमि का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) प्रत्येक पीसीपीआईआर में प्रचालनशील/बंद/निर्माणाधीन विनिर्माण इकाइयों की राज्य-वार संख्या कितनी है; और

(ङ) विशाखापत्तनम में काकीनाडा पीसीपीआईआर के अवसंरचनात्मक विकास, निवेश और रोज़गार सृजन की वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर

रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क): भारत सरकार ने निवेश आकर्षित करने और रोजगार सृजन के उद्देश्य से पेट्रोलियम, रसायन और पेट्रोरसायन निवेश क्षेत्र (पीसीपीआईआर) नीति, 2007 अधिसूचित की है। पीसीपीआईआर की संकल्पना क्लस्टर-आधारित दृष्टिकोण के साथ की गई है, जिसमें सामान्य अवसंरचना और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं ताकि उद्योगों की स्थापना के लिए एकीकृत तथा पर्यावरण अनुकूल प्रतिस्पर्धी वातावरण विकसित किया जा सके। वर्तमान में, आंध्र प्रदेश (विशाखापत्तनम-काकीनाडा), गुजरात (दाहेज) और ओडिशा (पारादीप) राज्यों में तीन पेट्रोलियम, रसायन एवं पेट्रोरसायन निवेश क्षेत्र (पीसीपीआईआर) अधिसूचित किए गए हैं।

अब तक सृजित रोजगार, स्थापित इकाइयों की संख्या, कुल निवेश और पिछले पांच वर्षों के दौरान प्राप्त निवेश का विवरण नीचे दिया गया है:

संकेतक	गुजरात	आंध्र प्रदेश	ओडिशा	कुल
स्थान/क्षेत्र	**दाहेज, भरूच**	**विशाखापत्तनम – काकीनाडा**	**पारादीप**	**-**
अनुमोदन	फरवरी 2009	फरवरी 2009	दिसंबर, 2010	-
हस्ताक्षर किए गए समझौता ज्ञापन	जनवरी 2010	अक्टूबर, 2009	नवंबर, 2011	-
कुल क्षेत्रफल (वर्ग किलो मीटर)	453.00	640.00	284.15	1,377.15
31.03.2021 तक किया गया निवेश (करोड़ रुपए में)	1,21,227	51,481	47,000	2,19,708
पिछले 5 वर्षों में किया गया निवेश	15,936	16,667	96,881	1,29,484
अब तक किया गया कुल निवेश (करोड़ रुपए में)	1,37,163	68,148	1,43,881	3,49,192
अब तक सृजित रोजगार (संख्या)	2,45,140	86,123	40,000	3,71,263
अब तक की स्थिति के अनुसार रासायनिक इकाइयों की संख्या	2079	154	13	2246

(ख) से (ङ): विशाखापत्तनम-काकीनाडा पीसीपीआईआर सहित की गई तीन पीसीपीआईआर में पूर्ण हो चुकीं और कार्यान्वयनधीन अवसंरचना परियोजनाओं के संदर्भ में संबंधित राज्य सरकारों द्वारा प्रदान किया गया विवरण **अनुलग्नक** में दिया गया है।

विशाखापत्तनम-काकीनाडा पीसीपीआईआर सहित तीनों पीसीपीआईआर क्षेत्रों में अब तक कुल 3,49,192 करोड़ रुपए का निवेश हुआ है। कुल 2,246 औद्योगिक इकाइयां स्थापित की गई हैं, जिनसे 3,71,263 लोगों के लिए रोजगार सृजन हुआ है। कुल 3,49,192 करोड़ रुपए के निवेश में से, 2,95,301 करोड़ रुपए का निवेश विनिर्माण इकाइयों द्वारा किया गया है।

गुजरात में दाहेज पीसीपीआईआर का कुल निर्धारित क्षेत्रफल 453.00 वर्ग किलो मीटर है, जिसमें से 230.06 वर्ग किलो मीटर क्षेत्र को प्रसंस्करण क्षेत्र के रूप में निर्धारित किया गया है। इस 230.06 वर्ग किलो मीटर प्रसंस्करण क्षेत्र में से 97.03 वर्ग किलो मीटर क्षेत्र गुजरात औद्योगिक विकास निगम (जीआईडीसी) के स्वामित्व में है और पूरी तरह से उपयोग में है। शेष प्रसंस्करण क्षेत्र में से, लगभग 27.18 वर्ग किलो मीटर आंशिक रूप से उपयोग में है। इसमें मध्यम और वृहत् स्तर के रसायन एवं पेट्रोरसायन उद्योग, इंजीनियरिंग उद्योग, जलपोत निर्माण, भंडारण, तेल टर्मिनल, लॉजिस्टिक्स आदि से संबंधित इकाइयां शामिल हैं। 105.76 वर्ग किलो मीटर निर्धारित प्रसंस्करण क्षेत्र वर्तमान में अप्रयुक्त है।

आंध्र प्रदेश में विशाखापत्तनम-काकीनाडा पीसीपीआईआर का कुल निर्धारित क्षेत्रफल 640.00 वर्ग किलो मीटर है। इसमें से, राज्य सरकार द्वारा 269.44 वर्ग किलो मीटर भूमि का अधिग्रहण प्रसंस्करण क्षेत्र के रूप में किया गया है, जिसमें 247.94 वर्ग किलो मीटर औद्योगिक उपयोग के लिए और 21.5 वर्ग किलो मीटर सामान्य अवसंरचना सुविधाओं और मूलभूत सुविधाओं के लिए निर्धारित है। औद्योगिक उपयोग के लिए चिह्नित 247.94 वर्ग किलो मीटर भूमि में से, 195.00 वर्ग किलो मीटर में उद्योग स्थापित हैं, जबकि शेष 52.94 वर्ग किलो मीटर भूमि वर्तमान में खाली है। सामान्य अवसंरचना सुविधाओं और मूलभूत सुविधाओं के लिए निर्धारित 21.5 वर्ग किलो मीटर भूमि में से 5.00 वर्ग किलो मीटर का उपयोग हो चुका है, जबकि शेष 16.50 वर्ग किलो मीटर भूमि वर्तमान में खाली है।

ओडिशा में स्थित पारादीप पीसीपीआईआर का कुल निर्धारित क्षेत्रफल 284.15 वर्ग किलो मीटर है। इसमें से, 48.13 वर्ग किलो मीटर क्षेत्र विकास के लिए चिह्नित किया गया है, तथा इसमें से 43.75 वर्ग किलो मीटर उद्योग को आवंटित किया गया है, जबकि शेष 4.38 वर्ग किलो मीटर क्षेत्र वर्तमान में खाली है।

*****

पेट्रोलियम, रसायन और पेट्रोरसायन निवेश के क्षेत्र के बारे में लोक सभा में दिनांक 07.08.2026 को उत्तर दिए जाने के लिए अतारांकित प्रश्न सं. 3256 के भाग (ख) से (ङ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

<u>गुजरात पीसीपीआईआर में विभिन्न अवसंरचना परियोजनाओं का विवरण</u>

(i) वर्तमान अवसंरचना: -

अवसंरचना	**विवरण**
सड़कें और राजमार्ग	(i) दाहेज-भरूच राज्य राजमार्ग का 50 किलो मीटर लंबा खंड (ii) ड्राफ्ट टीपी स्कीम संख्या 1 और 2ए के अंतर्गत प्राथमिकता वाली सड़कों के चिन्हित खंडों का निर्माण कार्य आवश्यकतानुसार चल रहा है। 5.3 किलो मीटर सड़क में से, 2.8 किलो मीटर सड़क का निर्माण हो चुका है। ड्राफ्ट टीपी स्कीम संख्या 2ए के अंतर्गत सड़क विकास के लिए अतिरिक्त 5.5 किलो मीटर सड़क का अधिग्रहण कर लिया गया है।
रेल संपर्क	(i) दिल्ली-मुंबई समर्पित माल ढुलाई गलियारा (डीएफसी), भरूच में स्थित पीसीपीआईआर को जोड़ता है, जो दाहेज से 62 किमी है। (ii) भरूच से दाहेज तक एक कार्गो परिवहन लाइन
हवाई संपर्क	(i) अहमदाबाद में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (दूरी-250 किमी) और (ii) वडोदरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (90 किमी) और (iii) सूरत हवाई अड्डा (85 किमी)
बंदरगाह	(i) अडानी पेट्रो नेट दाहेज पोर्ट लिमिटेड जिसकी क्षमता 11 एमएमटीपीए है। (ii) 4.9 एमएमटीपीए की क्षमता वाला गुजरात केमिकल पोर्ट लिमिटेड (जीसीपीटीसीएल) का लिक्विड केमिकल्स टर्मिनल (iii) 10 एमएमटीपीए की क्षमता वाला एलएनजी पेट्रोनेट (गैस टर्मिनल) (iv) 2 एमएमटीपीए की क्षमता वाला रिलायंस जेटी (v) 5 एमएमटीपीए की क्षमता वाली बिरला कॉपर बल्क कार्गो जेटी
बिजली आपूर्ति	(i) पीसीपीआईआर के भीतर दाहेज, दाहेज एसईजेड, राहियाद - सुवा और विलायत में चार 220 केवी सब-स्टेशन स्थित हैं।

	(ii) पीसीपीआईआर के भीतर आठ 66 केवी सबस्टेशन दाहेज, लूना, भेंसाली, वडाडाला, जेनलैंडा, सम्भेती, जोलवा और विलायत में स्थित हैं। (iii) गुजरात एनर्जी ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (जीईटीसीओ) ने सुवा देहेज में 220 केवी सबस्टेशन का निर्माण कार्य पूरा कर लिया है। (iv) दाहेज एसईजेड में टोरेंट पावर लिमिटेड द्वारा 1200 मेगावाट का गैस आधारित विद्युत संयंत्र स्थापित किया गया है। (v) सायखा में दो 66 केवी सब स्टेशनों ने कार्य करना प्रारंभ कर दिया है।
जलापूर्ति:	(i) जीआईडीसी ने नर्मदा नदी पर आधारित 555 एमएलडी की जल आपूर्ति क्षमता स्थापित की है। (ii) एल एंड टी कंस्ट्रक्शन और टेक्टन इंजीनियरिंग एंड कंस्ट्रक्शन एलएलसी, यूएई के संयुक्त उद्यम द्वारा 100 एमएलडी डिसैलीनेशन प्लांट चालू कर दिया गया है। (881 करोड़ रुपए)
गैस की आपूर्ति	(i) गुजरात गैस कंपनी लिमिटेड (जीजीसीएल) वर्तमान में भरूच जिले में लगभग 900 किलो मीटर लंबी वितरण पाइप लाइनों का स्वामित्व और संचालन करती है। (ii) गुजरात में कार्यरत सभी गैस आपूर्तिकर्ता पीसीपीआईआर तक अपने पाइप लाइन नेटवर्क का विस्तार करेंगे। इससे पीसीपीआईआर में औद्योगिक आवश्यकताओं के लिए पर्याप्त गैस आपूर्ति सुनिश्चित होगी।
जल निकासी और अपशिष्ट उपचार तथा अपशिष्ट प्रबंधन	(i) **सामान्य अपशिष्ट उपचार संयंत्र:** जीआईडीसी ने दाहेज जीआईडीसी एस्टेट में 40 एमएलडी, और सायखा में 40 एमएलडी की क्षमता वाली सीईटीपी सुविधा स्थापित की है। (ii) **उपचार भंडारण एवं निपटान सुविधा (टीएसडीएफ):** भरूच एनवायरो इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने 1.4 एमएमटीपीए की क्षमता वाली खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन सुविधा विकसित की है। (iii) जीआईडीसी ने सायखा में 3,58,285 मीट्रिक टन की क्षमता वाला एक और सामान्य खतरनाक अपशिष्ट स्थल विकसित करने का प्रस्ताव दिया है। (iv) **भस्मक:** डिटॉक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 10 मिलियन किलो कैलोरी/घंटे की क्षमता वाले भस्मक स्थापित किए गए हैं।
मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क	(i) जीआईडीसी द्वारा कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (कॉनकोर) के साथ संयुक्त उद्यम में लॉजिस्टिक पार्क विकसित किया जा रहा है। पहले चरण को 25 हेक्टेयर क्षेत्र में 200 करोड़ रुपए (भूमि को छोड़कर) की

		लागत से विकसित किया जा रहा है। परियोजना का पहला चरण 100 करोड़ रुपए की लागत से पूरा हो चुका है।
निजी औद्योगिक पार्क	(i)	दाहेज पीसीपीआईआर में पायल औद्योगिक पार्क 1416 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ है। यह अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त है, जिसमें पर्याप्त जल संसाधन, अन्य सुविधाएं आदि उपलब्ध हैं। पार्क में सीईटीपी, सामान्य लैंडफिल स्थल, बहु प्रभावी वाष्पीकरण यंत्र, सामान्य हाइड्रोजन गैस सुविधा, सामान्य बॉयलर और भाप सुविधाएं जैसी सामान्य सुविधाएं उपलब्ध हैं।

<u>गुजरात पीसीपीआईआर में प्रक्रियाधीन विभिन्न अवसंरचना परियोजनाओं का विवरण</u>

अवसंरचना	**विवरण**
सड़क और राजमार्ग संपर्क	दाहेज से दाहेगाम (अहमदाबाद के पास) तक सीमित पहुंच वाला एक्सप्रेसवे, लंबाई 40 किमी **(अनुमानित लागत: 800 करोड़ रुपए)**। एलिवेटेड कॉरिडोर: **(अनुमानित लागत: 400 करोड़ रुपए)** अन्य सड़कें **(अनुमानित लागत: 300 करोड़ रुपए)**
जल निकासी और अपशिष्ट उपचार तथा अपशिष्ट प्रबंधन	• गुजरात औद्योगिक विकास निगम (जीआईडीसी) ने सायखा सीईटीपी से दाहेज में समुद्र की गहराई तक 90 एमएलडी अपशिष्ट निपटान पाइप लाइन का काम शुरू कर दिया है। **(अनुमानित लागत: 558 करोड़ रुपए)** • जीआईडीसी ने सायखा में 2.69 एमएमटी की क्षमता वाला एक और सामान्य खतरनाक अपशिष्ट निपटान स्थल विकसित करने का प्रस्ताव दिया है।
बिजली की आपूर्ति	पीसीपीआईआर के अंतर्गत दाहेज और सायखा क्षेत्र में क्रमशः दो 220 केवी, एक 400 केवी और छह 66 केवी क्षमता के सबस्टेशन स्थापित करने की योजना है (सायखा क्षेत्र में 66 केवी क्षमता वाले सबस्टेशन के लिए हाल ही

	में गुजरात एनर्जी ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (जीईटीसीओ) को भूमि आबंटित की गई है)। (**अनुमानित लागत: 415 करोड़ रुपए**)
जल आपूर्ति	कल्पसर विभाग, गुजरात सरकार 599 मिलियन घन मीटर (एमसीएम) क्षमता वाले भदभूत बैराज का विकास कर रहा है। (**अनुमानित लागत: 4,254 करोड़ रुपए**)
बंदरगाह	• दाहेज में समुद्री जहाज निर्माण पार्क (एमएसपी) का विकास • गुजरात केमिकल पोर्ट लिमिटेड (जीसीपीएल) दूसरी बर्थ स्थापित करके अपनी क्षमता को बढ़ाकर 12 एमएमटीपीए कर रहा है (**अनुमानित लागत: 2000 करोड़ रुपए**)।

<u>ओडिशा पीसीपीआईआर में विभिन्न अवसंरचना परियोजनाओं का विवरण</u>

(i) मौजूदा अवसंरचना:

आधारभूत संरचना/अवसंरचना	**विवरण**
सड़क संपर्क	(i) चंदीखोल, राष्ट्रीय राजमार्ग5ए (पारादीप चंदीखोल) और राष्ट्रीय राजमार्ग 53 का जंक्शन है। (ii) राज्य राजमार्ग (एसएच)-12 (पारादीप से कटक) (iii) कटक-चांदबली 106 किमी (2 लेन) दुहुरिया में राष्ट्रीय राजमार्ग 53 को जोड़ता है।
रेलवे संपर्क	(i) पारादीप कटक ब्रॉड गेज़ (बी.जी.) लाइन (ii) हरिदासपुर से कटक बीजी
हवाई अड्डा	(i) बीजु पटनायक अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा
बिजली आपूर्ति	(i) ओपीटीसीएल द्वारा निर्मित 2x40 एमवीए 220/33 केवी सबस्टेशन चालू है।
जल आपूर्ति	(i) आईओसीएल को 34 क्यूसेक पानी की आपूर्ति की जाती है। (ii) पारादीप के पास 120 क्यूसेक क्षमता की इनस्ट्रीम स्टोरेज परियोजना पर काम चल रहा है।

समुद्री बंदरगाह	(i) पारादीप बंदरगाह - 277 एमएमटीपीए की क्षमता वाला, डीप ड्राउट में भी सभी मौसमों में काम करने वाला बंदरगाह।

<u>ओडिशा पीसीपीआईआर में प्रक्रियाधीन विभिन्न अवसंरचना परियोजनाओं का विवरण</u>

अवसंरचना	**विवरण**
सड़क नेटवर्क	(i) चंदीखोल-पारादीप (राष्ट्रीय राजमार्ग 5ए) - 72 किमी, 4 लेन से 8 लेन में (ii) कटक-ट्रिटोल (एसएच-12) - 53 किमी में 2 लेन से 4 लेन में (iii) मार्सघाई-महाकालपाड़ा सड़क का 23 किलो मीटर का हिस्सा 2 लेन से 4 लेन में (iv) 32 किलो मीटर का माल ढुलाई को प्राथमिकता देने वाला कॉरिडोर (औद्योगिक और बंदरगाह कनेक्टिविटी का भी एक हिस्सा) 2 लेन से 6 लेन (v) महाकालपाड़ा में औद्योगिक संपर्क मार्ग - 9 किमी: 4 लेन (vi) जेएसडब्ल्यू रोड के 8 किलो मीटर 2 लेन से 4 लेन में
बिजली आपूर्ति	ऊर्जा विभाग द्वारा 765 केवीए आईएसएस को मंजूरी दी गई है, 400 केवीए के सबस्टेशन का कार्य प्रगति पर है।

<u>आंध्र प्रदेश पीसीपीआईआर में विभिन्न अवसंरचना परियोजनाओं का विवरण</u>

(i) मौजूदा अवसंरचना:

अवसंरचना	**विवरण**
सीईटीपी	(i) अच्युतापुरम एसईजेड में 1 एमएलडी सीईटीपी चालू हो गया है। (ii) ब्रैंडिक्स में सीईटीपी परियोजना पूरी हो चुकी है। (iii) जेएनपीसी-परावाड़ा में सीईटीपी का कार्य पूरा हो गया है।

	(iv) नक्कापल्ली स्थित हेटेरो एसईजेड में सीईटीपी का निर्माण पूरा हो गया है।
बिजली आपूर्ति	(i) ब्रैंडिक्स में 220 केवी सबस्टेशन का निर्माण पूरा हो गया है।
अपशिष्ट प्रबंधन	(i) परवाडा में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र का काम पूरा हो गया है। (ii) एपी एसईजेड, ब्रैंडिक्स, जेएनपीसी और हेटेरो में तरल अपशिष्ट शोधन आउटफॉल कार्यों को पूरा कर लिया गया है।
हवाई अड्डा	(i) विशाखापत्तनम में अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (ii) राजमुंदरी हवाई अड्डे की स्थापना 2023 में की गई। (iii) भोगपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन अगस्त 2026 में हुआ।
बंदरगाह	यहां 3 मौजूदा बंदरगाह हैं (i) काकीनाडा (ii) गंगावरम और (iii) विशाखापत्तनम

<u>आंध्र प्रदेश पीसीपीआईआर में प्रक्रियाधीन विभिन्न अवसंरचना परियोजनाओं का विवरण</u>

अवसंरचना	विवरण
सड़क निर्माण कार्य	(i) राज्य राजमार्ग-97: 2 लेन से 4 लेन में उन्नयन (ii) पीपीपी मोड के तहत एनएच-16- अनाकापल्ली-अच्युतापुरम रोड (iii) एनएच 215: 4 लेन से 6 लेन में उन्नयन (iv) एशियाई विकास बैंक द्वारा सड़क चौड़ीकरण का कार्य प्रगति पर है।
रेल संपर्क	(i) दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) गंगावरम लेन (ii) पीसीपीआईआर मालढुलाई लाइन (iii) काकीनाडा एसईजेड माल ढुलाई लेन
बंदरगाह	(i) नक्कापल्ली में कैप्टिव पोर्ट (ii) विशाखापत्तनम बंदरगाह का उन्नयन (iii) काकीनाडा डीप वाटर सी पोर्ट का कार्य
जल संसाधन	(i) पोलावरम परियोजना का काम शुरू हो गया है।
सीईटीपी कार्य	(i) अच्युतापुरम में 5 एमएलडी सीईटीपी

	(ii)	नक्कापल्ली में 5.27 एमएलडी समुद्री डिस्चार्ज के साथ 12 एमएलडी सीईटीपी
बिजली आपूर्ति	(i)	नाकापल्ली और अन्नवरम में 400 केवी सबस्टेशन